

ओणम और मलिाद-उन-नबी

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने ओणम तथा मलिाद-उन-नबी (ईद-ए-मलिाद) के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं ।

- इस वर्ष ओणम और मलिाद-उन-नबी दोनों पूरे भारत में एक ही दनि मनाए गए ।

ओणम:

- ओणम केरल का एक प्रमुख फसल उत्सव है, जो असुर राजा महाबली की घर वापसी की याद में मनाया जाता है , जिनके बारे में मान्यता है कि उन्होंने इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि लायी थी ।
- यह मलयालम कैलेंडर के पहले महीने, कोल्लावर्षम, चगिम के दौरान होता है ।
- दस दिवसीय यह त्योहार अथम (ओणम का पहला दनि) से शुरू तथा थरुवोणम (अंतिम दनि) पर समाप्त होता है ।
- प्रमुख समारोहों में पूककलम (फूलों की रंगोली) के निर्माण के साथ-साथ विभिन्न पारंपरिक अनुष्ठान जैसे-वल्लम काली (नाव दौड़) , पुलकिली (बाघ नृत्य) , कुम्माट्टकिली (मुखौटा नृत्य) और ओनाथल्लू (मार्शल आर्ट) शामिल हैं ।
- मलिाद-उन-नबी (ईद-ए-मलिाद): यह पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म की याद में मनाया जाता है । परंपरा के अनुसार, पैगंबर का जन्म 570 ई. में मक्का में रबी-उल-अव्वल (इस्लामिक कैलेंडर का तीसरा महीना) की 12 तारीख को हुआ था ।
 - उल्लेखनीय बात यह है कि पैगंबर का नदिन भी इसी दनि हुआ था ।

और पढ़ें...ओणम उत्सव